सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 307 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 14 दिसम्बर, 2021

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

किसी टाइट बॉक्स से बाहर निकलने के तरीकों में से एक मात्र तरीका है अपना रास्ता खोजना।

-जेफ बेज़ोस

भारत-चीन सीमा से सटी सड़कों... 8 | पड़ोसी राज्यों के दिग्गज ... 3 | टक्कर के बाद ट्रैक्टर और... 7

लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी के खुलासे से विपक्ष आगबबूला

तो क्या गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा देंगे इस्तीफा!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाई प्रोफाइल लखीमपुर हिंसा मामले में एसआईटी की रिपोर्ट से प्रदेश का सियासी पारा फिर चढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हादसा नहीं बल्कि एक हत्या की सोची-समझी साजिश थी। साथ ही जांच टीम ने मामले में नई धाराएं बढ़ा दी हैं। इस खुलासे के बाद विपक्ष ने एक बार फिर केंद्र और प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। विपक्ष ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग उठायी है। साथ ही प्रदेश सरकार पर मंत्री और उनके बेटे को बचाने का आरोप लगाते हुए केंद्र से प्रदेश सरकार को भी तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

लखीमपुर हिंसा की जांच कर रही एसआईटी के मुख्य जांच अधिकारी विद्याराम दिवाकर ने साफ कर दिया है कि बारीकी से जांच करने पर स्पष्ट है कि लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कुचलने का मामला दुर्घटना नहीं है। यह भीड़ को कुचलने, हत्या करने और हत्या के प्रयत्न के साथ अंग-भंग करने की साजिश का साफ-साफ मामला है इसलिए केस को परिवर्तन करते हुए हत्या और हत्या के प्रयास के साथ ही अंग भंग करने की धाराएं लगाई जानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि हादसे से जुड़ी धाराओं को हटाया जा रहा है। जेल में बंद आरोपियों पर जानलेवा हमला करने और अंग-भंग करने की धाराएं बढ़ाई जाती हैं, जिनमें 120बी, 307, 34, 326 आईपीसी की धाराएं बढ़ाई गई हैं। यही नहीं बढ़ाई गई धाराओं में आरोपियों की रिमांड लेने के लिए विवेचक ने कोर्ट में अर्जी दी है। इस पर कोर्ट ने आरोपियों को तलब किया है। सवाल यह है कि साजिश से इंकार करने वाले केंद्रीय गृह राज्य मंत्री इस खुलासे के बाद क्या इस्तीफा देंगे?

» चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत को एसआईटी ने बताया हत्या की साजिश

» हादसे की धारा हटाई, गृह राज्य मंत्री के बेटे पर है किसानों को कुचलकर मारने का आरोप

» विपक्ष ने केंद्र सरकार से मंत्री को बर्खास्त और गिरफ्तार करने की उठायी मांग

यह है मामला

लखीमपुर हिंसा मामले में चार किसान और एक पत्रकार की हत्या में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा पर मुकदमा दर्ज हुआ था जिसमें धारा 302, 304ए, 147, 148, 149, 279, 338 और 120बी लगी हुई थी। इन्हीं धाराओं में एसआईटी ने आशीष मिश्रा उर्फ मोनू, अंकित दास और सुमित जायसवाल समेत सभी आरोपियों को जेल भेजा था लेकिन अब एसआईटी ने जेल में बंद सभी आरोपियों पर धारा 307 (जानलेवा हमला) धारा 326 (अंग-भंग करना) और धारा 34 (एक राय) का अपराध दर्ज किया है। तीन अटूबर को हुई इस घटना में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

“कांग्रेस पार्टी पहले दिन से कह रही थी कि लखीमपुर में किसानों की साजिशन हत्या की गयी। एसआईटी की रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि कर दी है। अब पीएम मोदी को तय करना कि वे अपने गृह राज्य मंत्री का इस्तीफा लेते हैं या नहीं। सच यह है कि मोदी कैबिनेट में अपराधियों और दुराचारियों का गुलदस्ता बनाया जा रहा है अगर इस्तीफा लेना होता तो केंद्र सरकार यह काम बहुत पहले कर चुकी होती।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

“घटना के समय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा था कि अगर मेरा बेटा दोषी होगा तो इसकी सजा मुझे दी जाए। एसआईटी रिपोर्ट से साफ है कि किसानों की हत्या की साजिश में गृह राज्य मंत्री और उनका बेटा शामिल है। गृह राज्य मंत्री को तत्काल बर्खास्त करना चाहिए।

आईपी सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा

“एसआईटी ने साजिश की पुष्टि की है। गृह राज्य मंत्री को न केवल बर्खास्त किया जाना चाहिए बल्कि उनको गिरफ्तार किया जाए। इसके अलावा मंत्री और उनके बेटे को बचाने की कोशिश में लगी रही प्रदेश की सरकार को भी बर्खास्त किया जाए।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

“लखीमपुर हत्याकांड को सबने देखा, इसके बाद भी गृह राज्य मंत्री लखनऊ में आराम से गृहमंत्री के बगल में मंच पर बैठकर डीजीपी की कॉन्फ्रेंस अटेंड करते हैं, इस बेशर्मी का नाम ही भाजपा है। रिपोर्ट के बाद इनको बर्खास्त किया जाना चाहिए ताकि हत्याकांड की जांच प्रभावित न हो।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष का मार्च

» राहुल बोले, कुचली जा रही जनता की आवाज

» संसद परिसर से विजय चौक तक मार्च

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसदों के निलंबन का मुद्दा गरमाता जा रहा है। निलंबन को रद्द करने को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर दबाव बना रहा है। दोनों सदनों के विपक्षी सांसदों ने आज संसद भवन परिसर से विजय चौक तक मार्च निकाला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विपक्ष द्वारा आयोजित विजय चौक मार्च में शामिल हुए।

राहुल ने कहा कि 12 सांसदों का निलंबन भारत की जनता की आवाज को कुचलने का प्रतीक है। उनकी आवाज दबा दी गई। उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। हमें संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा, हंगामे के बीच संसद में बिलों के बाद बिल पास हो रहे हैं। यह संसद चलाने का तरीका नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में नहीं आते हैं। हमें राष्ट्रीय महत्व के किसी भी मुद्दे को उठाने की अनुमति नहीं है। यह लोकतंत्र की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या है। गौरतलब है कि विपक्षी दलों ने आज सांसदों के निलंबन के विरोध में मार्च निकालने की घोषणा की थी।

सदन में हंगामा

संसद में 12 सांसदों के निलंबन को रद्द करने की मांग को लेकर आज भी विपक्ष ने हंगामा किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच राज्यसभा दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सभापति.एम वेंकैया नायडू ने कहा कि सदन में शालीनता और मर्यादा बनाए रखें। अनियंत्रित और असंसदीय व्यवहार बिल्कुल भी सहन नहीं किया जाएगा। वहीं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, राज्य सभा के अध्यक्ष के पास किसी भी नियम को निलंबित करने और निर्देश जारी करने का पूरा अधिकार है लेकिन सरकार उसे ऐसा करने नहीं दे रही है। मैं सभापति से इन 12 निलंबित सांसदों को सदन में वापस लाने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग करने का अनुरोध करता हूं।

औरंगजेब की विचारधारा वाली बात करता है विपक्ष : स्वतंत्र देव

» पीएम मोदी के काशी प्रवास पर बयान देकर घिरे अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी प्रवास पर विवादित बयान देकर समाजवादी पार्टी (एसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा नेताओं के निशाने पर आ गए। उनका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ और उन पर चौतरफा हमले शुरू हो गए। उत्तर प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश को औरंगजेब की विचारधारा वाला बताया तो केंद्रीय मंत्री और पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने सपा मुखिया को जिन्नावादी और उनके बयान को शर्मनाक बताया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जिस ढंग से प्रधानमंत्री को लेकर ओछी प्रतिक्रिया दी है, वह दिखाता है कि काशी का कायाकल्प और भारतीय संस्कृति का बढ़ता गौरव उनको पच नहीं रहा। ऐसी अमर्यादित और असंस्कारित भाषा का प्रयोग दिखाता है कि काशी के कायाकल्प और भारतीय संस्कृति के गौरव की टीस उनके मन में बनी हुई है। अध्यक्ष ने कहा सपा अध्यक्ष की सोच आज भी रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाली और भारत की सांस्कृतिक विरासत को क्षति पहुंचाने वाले औरंगजेब की विचारधारा के साथ हैं। वे बाबा विश्वनाथ का दर्शन करें। बाबा विश्वनाथ उन्हें सद्बुद्धि दें। केंद्रीय मंत्री और पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने ट्वीट किया- सोच ईमानदार और काम दमदार हो तो फीता काटने वाले विचलित हो ही जाते हैं।

भारतीय संस्कृति से प्रेरित नहीं है अखिलेश : सिद्धार्थनाथ सिंह

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के लिए अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि वह काशी के पुनर्विकास और यहां की बढ़ती भारतीय संस्कृति के गौरव को पचा नहीं पा रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वह भारतीय संस्कृति से नहीं बल्कि जिन्ना संस्कृति से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ आज पूरा देश काशी विश्वनाथ धाम का भव्य रूप देखकर प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिन्नावादी मानसिकता से ओतप्रोत अखिलेश ये सब देखकर इतना बौखला गए हैं कि पीएम मोदी के लिए ऐसा घटिया बयान दे डाला।

दूसरे के काम को अपना बताकर पीठ ठोक रही सरकार : सुभाषिनी अली

» सरकार ने ऐसे लोगों से रोजगार छीना जो रोजाना कमाते-खाते थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। पूर्व सांसद व कम्युनिस्ट नेता सुभाषिनी अली ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में सिर्फ इंजन ही है, विकास का डिब्बा गायब है। इसी वजह से कानपुर में विकास का पहिया जाम हो गया है। सरकार सिर्फ विकास का ढोल पीट रही है। वह सिर्फ पिछली सरकारों के कार्यों पर लीपापोती करके वाहवाही लूटना चाहती है।

महानगर में मेट्रो निर्माण की शुरुआत पहले ही हो चुकी थी, भाजपा सरकार ने उसे सिर्फ आगे बढ़ाया है। इसमें उनका श्रेय नहीं हो सकता है। इसी तरह कैंट क्षेत्र से शुक्लागंज जाने वाला ओवरब्रिज जैसा पिछली सरकार में बना था, उसमें कुछ खास बदलाव नहीं आया है। कुछ दिनों से उसमें ईंट जोड़कर वर्तमान सरकार उसे अपने खाते में जोड़ रही है। मंडल के कई जिले ऐसे भी हैं, जहां पर अस्पतालों में डॉक्टर तक नहीं हैं। रोजगार की हालत इस सरकार में सबसे ज्यादा खराब है। सरकार ने ऐसे लोगों से रोजगार छीना है, जो रोजाना कमाते-खाते थे। मीट का कारोबार गोवंश के नाम पर बंद करा दिया गया।

आयोग की मंशा के अनुरूप चुनाव संपन्न कराए जाएं : अजय शुक्ला

» बूथों पर वेबकास्टिंग और वुमन मैनेज्ड पोलिंग स्टेशन बनाए जाने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त ने मेरठ सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल के 14 जिलों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इसलिए 50 प्रतिशत बूथों पर वेबकास्टिंग कराई जाए और वुमन मैनेज्ड पोलिंग स्टेशन बनाये जाएं।

उप निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान के लिए मतदाता सूची में नाम होना आवश्यक है। मतदाता को जागरूक करें। निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी कोविड-19 डबल वैक्सीनेटेड होना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने और योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। सी-विजिल ऐप का प्रचार प्रसार किए जाने की भी बात कही। उप निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी (एएमएफ) आवश्यक रूप से हो, जो भी मतदेय स्थल (बूथ) बनाये जायें वह भूतल पर ही हों। मुख्य निर्वाचन अधिकारी यूपी अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का उत्सव होता है और आयोग की मंशा के अनुरूप चुनाव संपन्न कराए जाएं। दिव्यांग मतदाताओं व 80 वर्ग के ऊपर वर्ग के मतदाताओं के लिए आयोग ने पोस्टल बैलेट की वैकल्पिक व्यवस्था की है।

बसपा छोड़ रालोद में शामिल हुए गजेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। बसपा के पूर्व विधायक चौधरी गजेंद्र सिंह अपने समर्थकों सहित दिल्ली में रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह के आवास पर रालोद में शामिल हो गए।

अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र से बसपा से दो बार विधायक रहे चौ. गजेंद्र सिंह ने रालोद में शामिल होने के बाद कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, नौजवानों, मजदूर, व्यापारियों के हित में लड़ाई लड़ रहा है। पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर वह रालोद में शामिल हुए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह के नेतृत्व में लड़ाई लडने का संकल्प लिया। रालोद नेता जयंत सिंह ने सदस्यता दिलाते हुए कहा कि चौ. गजेंद्र सिंह ईमानदार व स्वच्छ छवि के नेता है, उनके शामिल होने से पार्टी को बल मिलेगा।

विधानसभा चुनाव में जनता करेगी सत्ता परिवर्तन : कन्हैया

» सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमरोहा में सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) के प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया राम प्रजापति ने कहा कि प्रदेश की जनता सत्ता परिवर्तन करने की ठान चुकी है। पार्टी का सपा से गठबंधन होने पर भाजपा की नींद उड़ी हुई है। 2022 का विधानसभा चुनाव केंद्र व प्रदेश सरकार का घमंड तोड़ देगा।

जोया मार्ग स्थित एक होटल में प्रदेश उपाध्यक्ष ने भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।कहा कि भाजपा समझ चुकी है कि प्रदेश में उसके खिलाफ बदलाव की हवा चल रही है। जातिवार जनगणना, गरीबों के बिजली बिल की माफी, एक सामान अनिवार्य निशुल्क शिक्षा, भागीदारी से हिस्सेदारी, महंगाई व सामाजिक न्याय के मुद्दों पर पार्टी का सपा से गठबंधन हुआ है। इन मुद्दों पर ही चुनाव लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर हर उस बात का विरोध करना चाहिए जो उनके अधिकारों का हनन करती हो। साथ ही साथ कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आम जनता को परेशान करता है तो उसके खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। लेकिन, इसके लिए लोगों को खुद के अधिकारों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। इस दौरान पार्टी के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर मौजूद रहे।

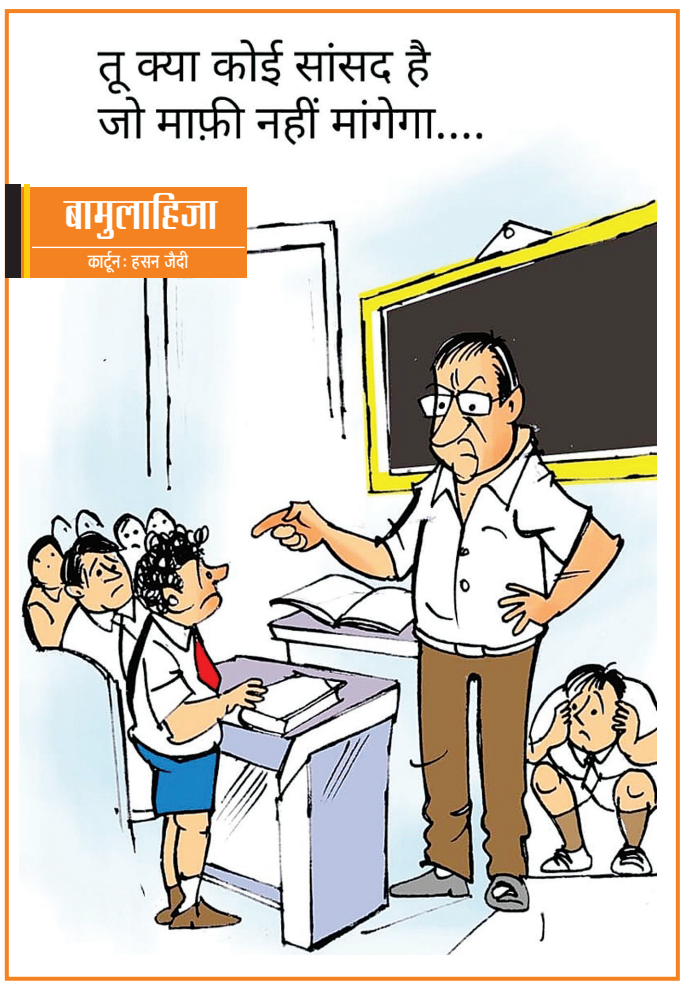

विजय दिवस पर राहुल गांधी की रैली के लिए बड़ी तैयारी

» उत्तराखंड कांग्रेस के नेताओं को सौंपी गईं जिम्मेदारियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आगामी 16 दिसंबर को देहरादून में राहुल गांधी की एक विशाल रैली से कांग्रेस पार्टी अपने चुनावी अभियान का जोरदार आगाज करने के लिए कमर कस रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने सशस्त्र बलों से जुड़े परिवारों में पैठ बनाने के लिए बड़े स्तर पर कार्यक्रम की योजना बनाई है। इसी के तहत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देहरादून पहुंच रहे हैं, जो 'सैनिक विजय सम्मान दिवस' के रूप में रैली करेंगे और फिर परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इस रैली के लिए कांग्रेस ने भीड़ जुटाने के मामले में भी बड़ा लक्ष्य रखा है। साल 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में जीत की याद को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है और 50 साल पूरे होने के मौके पर यह आयोजन कांग्रेस पार्टी करने जा रही है। खबरों की मानें तो उत्तराखंड में कांग्रेस के मौजूदा और पूर्व विधायकों समेत केंद्र के नेताओं को भी यह जिम्मेदारी दी गई है कि गांधी की रैली में उससे ज़्यादा समर्थकों की भीड़ जुटाई जाए, जितनी बीते 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में जुटी थी। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के लिए उत्तराखंड कांग्रेस के नेताओं को कार्यकर्ता स्तर तक की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

28 को उत्तराखंड पहुंचेंगे नड्डा

सूत्र बताते हैं कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिन के दौरे पर उत्तराखंड पहुंचेंगे। विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए नड्डा 28 और 29 को राज्य में भाजपा के संकल्प पत्र यानी घोषणा पत्र से जुड़ी खास योजनाओं व तैयारियों को दिशा दे सकते हैं। गौरतलब है कि भाजपा सरकार ने पिछले ही कुछ दिनों से संकल्प पत्र के लिए कवायद तेज की है। बताया जा रहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुमाउं अंचल में कई रथ भेजे हैं, जो संकल्प पत्र के लिए लोगों का मन टटोलेंगे।

नकारा सरकारें करती हैं हिंदू मुस्लिम की बात : आजमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही यहां की सियासत अब गरमा गई है। ऐसे में सभी दलों के नेता सक्रिय हैं। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद अबू आसिम आजमी सपा की परिवर्तन यात्रा लेकर गोंडा पहुंचे, जहां उनका जगह-जगह स्वागत हुआ और शहर से लेकर गांव तक उन्होंने तमाम जनसभाओं को संबोधित किया। आजमी नें शहर के कई नुक्कड़ और चौराहों पर समाजवादी पार्टी की उपलब्धियां गिनाईं।

वहीं कटरा बाजार, सदर गौरा विधानसभा क्षेत्र में अबू आजमी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर जमकर बरसे। अबू आजमी ने भाजपा सरकार को धर्म की राजनीति करने वाली पार्टी बताया तो वहीं यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी की बनाई हुई खिचड़ी भाजपाई खा रहे हैं। मंच से उन्होंने मोदी और योगी सरकार को देश और प्रदेश को धर्म और जाति में बांटने वाली सरकारी बताया। आजमी ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की जमकर तारीफ की और भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नाकारा सरकारें ही हिंदू-मुस्लिम की बात करती हैं। जिन्ना के मामले पर अबू आजमी ने साफ किया कि देश का बंटवारा करके जिन्ना ने हिंदू-मुस्लिम एकता को खत्म कर दिया था।

» प्रियंका गांधी ने विधान सभा चुनाव के लिए एमपी से मांगे एमएलए
» वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करके तैयार हो रही हैं सूची

पड़ोसी राज्यों के दिग्गज कांग्रेसी नेता देंगे यूपी चुनाव को धार

» नेताओं का उपयोग कहां और कब करना है, यह उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी तय करेगी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के लिए कांग्रेस की तैयारियां जोरों पर हैं। उत्तर प्रदेश की प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मध्य प्रदेश से विधायक और दिग्गज नेताओं की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी से विधायकों और उन वरिष्ठ नेताओं के नाम मांगे गए हैं, जिन्हें यूपी चुनाव कार्यों में लगाया जा सकता है। पड़ोसी क्षेत्र ग्वालियर-चंबल और विंध्य-बुंदेलखंड से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को भेजने की तैयारी है। इसमें मौजूदा और पूर्व विधायक भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के करीब पचास विधान सभा क्षेत्र ऐसे हैं, जो मध्य प्रदेश की सीमा के करीब हैं।

दोनों राज्यों के लोगों का यहां पारिवारिक रिश्ता है। पिछले विधान सभा चुनाव में भी मध्य प्रदेश से कांग्रेस-भाजपा के नेता उत्तर प्रदेश में सक्रिय थे। इनमें कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, अरुण यादव भेजे गए थे। इस बार कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल को राष्ट्रीय सचिव बनाकर भेजा है। ऐसे में मध्य प्रदेश की भूमिका उत्तर प्रदेश में वैसे भी बढ़ गई है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि केंद्रीय संगठन के निर्देश पर तैयारी की जा रही है। विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करके सूची तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द ही केंद्रीय संगठन को भेजा जाएगा। इन नेताओं का उपयोग कहां और कब करना है, यह उत्तर प्रदेश की प्रदेश कांग्रेस कमेटी तय करेगी।

कर्ज माफी को बनाया जाएगा मुद्दा

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री (मीडिया) केके मिश्रा का कहना है कि कांग्रेस घोषणा कर चुकी है कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। मध्य प्रदेश में तत्कालीन कमल नाथ सरकार ने इसकी शुरुआत कर दी थी। राज्य में कर्ज माफी का दूसरा चरण प्रारंभ होने वाला था लेकिन भाजपा ने षड्यंत्र करके कांग्रेस की सरकार को गिरा दिया। दरअसल, भाजपा की प्राथमिकता में कभी किसान रहे ही नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी किसानों की कर्ज माफी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया जाएगा।

प्रियंका और राहुल अमेठी में करेंगे जनता से संवाद

लोक सभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 18 दिसंबर को दूसरी बार अमेठी के दौरे पर आएंगे। इसके पहले वह 10 जुलाई, 2019 को चुनाव हारने की समीक्षा करने अमेठी आए थे, वहीं राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी वाड्रा भी आ रहीं हैं। विधान सभा चुनाव के नजदीक आते ही एक बार फिर अमेठी की सियासत गर्म हो गई है। गांधी-नेहरू परिवार के लिए कभी अभेद्य किला कहे जाने वाले अमेठी में एक बार फिर सियासी पकड़ मजबूत करने के लिए राहुल गांधी 18 व 19 दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। पहले दिन लखनऊ से सड़क मार्ग होते हुए जगदीशपुर विधान सभा पहुंचकर क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। उसके बाद जामो में पांच किलोमीटर तक पदयात्रा निकालेंगे। राहुल गांधी गौरीगंज स्थित केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय में रात्रि में विश्राम करेंगे। दूसरे दिन सुबह पदाधिकारियों व विधान सभा के टिकट के दावेदारों से मुलाकात करेंगे। गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के किसी दो गांव का निरीक्षण करेंगे। उसके बाद अमेठी विधान सभा क्षेत्र पहुंचकर किसी एक गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे।

जनता का विश्वास जीतने को भाजपा ने बनाया प्लान, निकालेगी यात्रा

» पूरे प्रदेश में निकलेंगी छह जन विश्वास यात्राएं, 19 से शुरू होगा कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा कोई कोर-कसर छोड़ने के मूड में नहीं है। वह लगातार सभी वर्गों से संवाद स्थापित करने में जुटी है। सम्मेलनों के बाद अब भाजपा ने लोगों का विश्वास जीतने के लिए नया प्लान बनाया है। प्रदेश भाजपा मिशन 2022 के लिए प्रदेश में छह जन विश्वास यात्राएं निकालने जा रही है। यह यात्राएं बिजनौर, मथुरा, झांसी, अंबेडकरनगर, बलिया और गाजीपुर से निकलेंगी। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के साथ ही ये यात्राएं सभी 403 विधान सभा क्षेत्रों में पहुंचेंगी। इन यात्राओं के माध्यम से पार्टी के नेता जनता से संवाद स्थापित करेंगे।

यात्रा प्रभारी विद्यासागर सोनकर ने बताया है कि यात्राओं के उद्घाटन के समय दल के राष्ट्रीय नेता उपस्थित रहेंगे। बिजनौर, मथुरा, झांसी, अंबेडकरनगर तथा बलिया से 19 दिसंबर को यात्राएं प्रारंभ होंगी जबकि गाजीपुर से 20 दिसंबर को यह यात्रा आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि इन यात्राओं के जरिए 2017 से पहले भाजपा ने गुंडाराज न भ्रष्टाचार, अबकी बार भाजपा सरकार के नारे के साथ जनता के बीच गई थी। पांच वर्ष के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने जनता से किए अपने एक-एक संकल्प को पूरा किया है। पार्टी 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं पर खरी उतरी है। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा सुशासन, सशक्त कानून व्यवस्था, गरीब कल्याण के अपने कार्यों, ढांचागत विकास, पर्याप्त बिजली, शिक्षा सुधार, कौशल विकास तथा कृषि कल्याण की दिशा में किए गए कार्यों के बारे में लोगों को बताएगी। जनता को मोदी-योगी सरकार द्वारा जनहित में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी जाएगी। लाभकारी योजनाएं याद दिलाई जाएंगी। इनके आधार पर सरकार के कामकाज पर जनता के विश्वास की मुहर आगामी विधान सभा चुनाव के लिए लगवाने का उद्देश्य है।

दिग्गज नेता रहेंगे शामिल

19 दिसंबर को अवध क्षेत्र की यात्रा की शुरुआत होगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा अम्बेडकर नगर से इस यात्रा की शुरुआत करेंगे जबकि इसी दिन कानपुर क्षेत्र की यात्रा की शुरुआत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बिठूर से करेंगे। पश्चिम, ब्रज और गोरखपुर क्षेत्र की यात्राओं की शुरुआत भी 19 दिसंबर को ही होगी। सिर्फ काशी क्षेत्र की यात्रा की 20 दिसंबर को होगी। गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी के तमाम प्रदेश और केंद्र के नेता और मंत्री इस यात्रा में जगह-जगह शामिल होंगे और छोटी-छोटी सभाओं को संबोधित करेंगे। इन संबोधनों का मुख्य फोकस दोनों सरकारों द्वारा आमजन के लिए चलाई गई योजनाओं और उनसे लोगों को मिलने वाले लाभ पर होगा। इन यात्राओं में योजनाओं के लाभार्थियों से भी संपर्क साधा जाएगा।

ऐसे चलेंगी यात्राएं

भाजपा ने संगठन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश को 6 क्षेत्रों विभाजित किया हुआ है। पश्चिम, ब्रज, कानपुर बुंदेलखंड, अवध, काशी और गोरखपुर इन सभी 6 क्षेत्रों से भाजपा अलग-अलग यात्राएं निकालेगी। भाजपा के इस अभियान की शुरुआत 19 दिसंबर से होगी. ये सभी यात्राएं लखनऊ में खत्म होंगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फिर बजने लगी खतरे की घंटी

पिछले डेढ़ साल से कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचा रखा है। यह लगातार अपना रूप बदल रहा है। अब इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन ने खतरे की घंटी बजा दी है। ब्रिटेन में एक व्यक्ति की इस वायरस से मौत के बाद पूरी दुनिया के विशेषज्ञ चिंतित हो गए है क्योंकि अभी तक इसे जानलेवा नहीं माना जा रहा था। हालांकि इसका संक्रमण घातक डेल्टा वेरिएंट से कई गुना अधिक है। भारत में भी अब तक इसके कुल 41 केस मिल चुके हैं और यह देश के आठ राज्यों में फैल चुका है। महाराष्ट्र में इसका प्रकोप सबसे अधिक दिख रहा है। वहीं प्रभावित देशों से आने वाले लोगों की जांच-पड़ताल और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने में घोर लापरवाही बरती जा रही है। सवाल यह है कि देश के आठ राज्यों में पैर पसार चुके ओमिक्रॉन को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर क्यों नहीं दिख रही है? हवाई जहाज, ट्रेन और बस के जरिए प्रभावित देशों और राज्यों से आने वाले यात्रियों की जांच क्यों नहीं की जा रही है? कोरोना प्रोटोकॉल के आदेश कागजी क्यों साबित हो रहे हैं? लोग सार्वजनिक स्थलों पर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? बच्चों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया क्यों नहीं शुरू की जा रही है? क्या राज्य सरकारें डेल्टा वेरिएंट जैसे हालात का इंतजार कर रही हैं?

कोरोना के नए वेरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ ने भी इसको लेकर दुनिया को आगाह कर दिया है। इसी बीच वायरस से हुई पहली मौत के बाद विशेषज्ञों ने इसे डेल्टा से अधिक खतरनाक बताया है। विशेषज्ञों ने अगले साल अप्रैल तक सिर्फ ब्रिटेन में इसकी चपेट में आने से 75 हजार से अधिक लोगों के मौत की आशंका जाहिर की है। यदि भारत में संक्रमण की रफ्तार बढ़ी तो हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने, दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों की जांच कराने समेत कई निर्देश जारी किए हैं लेकिन ये जमीन पर उतरते नहीं दिख रहे हैं। मसलन, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ट्रेन और बसों से आने वाले यात्रियों की जांच में लापरवाही बरती जा रही है। वहीं आगरा में चार सौ से अधिक लोग विदेशों से आ चुके हैं लेकिन अभी तक सभी की जांच नहीं हो सकी है। वे खुलेआम घूम रहे हैं। ये संक्रमण को न्यौता दे रहे हैं। वहीं कोरोना से बचाव के लिए अभी तक बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू किया गया है। वहीं पूरे देश में अभी भी 18 वर्ष से ऊपर के 12 करोड़ लोगों ने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगवाई है। जाहिर है यदि सरकार ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए तो हालात के बेकाबू होते देर नहीं लगेगी।

कोरोना के नए वेरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ ने भी इसको लेकर दुनिया को आगाह कर दिया है। इसी बीच वायरस से हुई पहली मौत के बाद विशेषज्ञों ने इसे डेल्टा से अधिक खतरनाक बताया है। विशेषज्ञों ने अगले साल अप्रैल तक सिर्फ ब्रिटेन में इसकी चपेट में आने से 75 हजार से अधिक लोगों के मौत की आशंका जाहिर की है। यदि भारत में संक्रमण की रफ्तार बढ़ी तो हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आर्थिक असमानता को करना होगा दूर

आशुतोष चतुर्वेदी

हालांकि यह तथ्य कोई नया नहीं है और न ही चौंकाता है। इससे पहले भी समय-समय पर अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में यह तथ्य उजागर होता रहा है कि दुनियाभर में अमीर और गरीब के बीच भारी असमानता है। कोरोना ने इसे और बढ़ा दिया है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट हर साल अपनी रिपोर्ट जारी करती है, जिसमें नीति निर्धारकों को जानकारी दी जाती है कि उनके देश के विभिन्न तबकों की माली हालत कैसी है? रिपोर्ट में कहा गया है कि देश व दुनिया के लोगों के बीच असमानता की खाई और चौड़ी हो गयी है। दुनिया के 10 प्रतिशत लोगों के पास 76 प्रतिशत धन संपदा है। दुनिया के सबसे ज्यादा 34 प्रतिशत अमीर एशिया में रहते हैं। यूरोप में 21 फीसदी और अमेरिका में 18 प्रतिशत अमीर रहते हैं। सबसे कम धनी एक प्रतिशत सब-सहारन अफ्रीका में रहते हैं। भारत में भारी असमानता है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 40 वर्षों में देश में चंद लोग तो अमीर होते चले गये, लेकिन अर्थव्यवस्था उस हिसाब से नहीं मजबूत हुई है। देश में 10 फीसदी अमीरों के पास देश की कुल संपत्ति का 57 फीसदी है।

देश की कुल कमाई में मध्य वर्ग का हिस्सा 29.5 प्रतिशत है। वहीं 10 फीसदी अमीर लोगों के हाथों में 33 प्रतिशत दौलत है। कमाई में सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देश के युवाओं की सालाना कमाई औसतन 2 लाख 4 हजार 200 रुपये है जबकि 50 फीसदी लोगों की औसत कमाई 53 हजार 610 रुपये है। भारत सबसे युवाओं का देश माना जा रहा है, लेकिन देश के 50 फीसदी युवाओं की मासिक आय पांच हजार रुपये से भी कम है। साफ है कि उदारीकरण व आर्थिक सुधार के फैसलों के बाद लोगों की आय में बढ़ोत्तरी तो हुई लेकिन इसके साथ असमानता भी बढ़ी। यह अफसोस की बात है कि आजादी के 75 साल बाद भी समाज में आर्थिक असमानताएं हैं। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं हों अथवा शिक्षा के अवसर, अब भी ये अमीरों के पक्ष में हैं। उदारवादी नीतियों का सबसे ज्यादा फायदा देश के एक फीसदी अमीर लोगों को हुआ है जबकि गरीब व मध्य वर्ग की दशा में सुधार बेहद धीमा रहा है। यह चिंताजनक स्थिति है कि भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आर्थिक असमानता वाला देश बन गया है। मशहूर पत्रिका फोर्ब्स ने दुनिया के

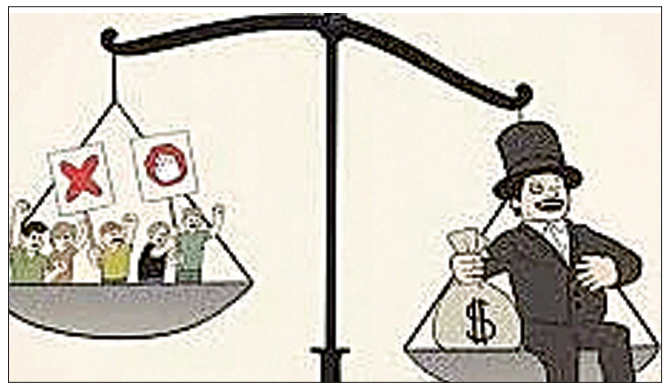

अरबपतियों की सूची जारी की थी। उस दौरान कोरोना का दूसरा दौर चरम पर था। लोगों की नौकरियां चली गयी थीं और छोटे काम धंधे ठप पड़ गये थे, लेकिन इस दौर में दुनियाभर में अरबपतियों की संख्या बढ़ रही थी। उनकी दौलत में पांच खरब डॉलर का इजाफा हुआ और नये अरबपतियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गयी है। एक साल में इस सूची में 110 नये लोग जुड़ गये हैं। दूसरी ओर दुनिया में गरीबों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। विश्व बैंक का अनुमान है कि कोरोना महामारी के दौरान दुनियाभर में 11.5 करोड़ लोग अत्यंत निर्धन की श्रेणी में पहुंच गये है। ये आंकड़े भी इस बात को रेखांकित करते हैं कि दुनियाभर में आय व संपत्ति का वितरण पूरी तरह से असंतुलित है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने कुछ समय पहले अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की थी। उसके अनुसार देश के 10 प्रतिशत शहरी परिवारों के पास औसतन 1.5 करोड़ की संपत्ति है जबकि निचले वर्ग के परिवारों के पास औसतन केवल 2,000 रुपये की संपत्ति है। सर्वे के अनुसार ग्रामीण इलाकों में स्थिति शहरों की तुलना में थोड़ी बेहतर है। ग्रामीण इलाकों में शीर्ष 10 फीसदी परिवारों के पास औसतन 81.17 लाख रुपये की संपत्ति है जबकि कमजोर तबके के पास औसतन केवल 41 हजार रुपये की संपत्ति है। सर्वे से जो चौंकाने वाली बात सामने आयी कि खेती-बाड़ी करने वाले आधे से अधिक परिवार कर्ज के बोझ तले दबे हैं। सर्वे के अनुसार 2019 में 50 फीसदी से अधिक किसान परिवारों पर कर्ज था। उन पर प्रति परिवार औसतन 74,121 रुपये कर्ज था। कर्ज में से केवल 69.6 फीसदी बैंक, सहकारी समितियों और सरकारी एजेंसियों जैसे संस्थागत स्रोतों से लिया गया था, जबकि 20.5 फीसदी कर्ज सूदखोरों से लिया गया था। इसके अनुसार कुल कर्ज में से 57.5 फीसदी ऋण कृषि उद्देश्य से लिये गये थे। सर्वे से पता चला है कि 83.5 फीसदी ग्रामीण परिवार के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है जबकि केवल 0.2 फीसदी के पास 10 हेक्टेयर से अधिक जमीन थी। ये तथ्य इशारा कर रहे हैं कि नीति निर्धारकों को इस विषय में गंभीरता से विचार करना होगा कि अमीर और गरीबी की बढ़ती खाई को कैसे कम किया जा सकता है।

नाजायज को जायज ठहराने की कूपमंडूकता

क्षमा शर्मा

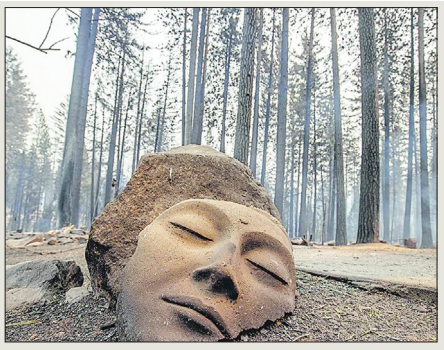

हाल ही में नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे की एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। इसमें 14 राज्यों में तीस प्रतिशत महिलाओं ने पति द्वारा पत्नी की पिटाई को ठीक माना था। तेलंगाना में 84 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 84, कर्नाटक में 77, मणिपुर में 66, केरल में 52, जम्मू कश्मीर में 49 , महाराष्ट्र में 44, बंगाल में 42 प्रतिशत औरतों ने पत्नी की पिटाई को सही माना। कर्नाटक या आंध्र के मुकाबले हिमाचल प्रदेश में सिर्फ 14.8 प्रतिशत औरतों ने ही इस तरह की हिंसा को सही माना। कहते तो यह हैं कि हिंदी भाषी क्षेत्रों के मुकाबले दक्षिण के राज्य सांस्कृतिक रूप से बहुत आगे हैं, लेकिन यह कैसा आगे रहना है। देखने की बात यह है कि केरल खुद को सौ फीसदी साक्षर राज्य कहता है। यहां वामपंथियों का लम्बे अरसे तक शासन रहा है। आज भी है। इसी तरह बंगाल में भी दशकों तक वामपंथी सत्ता में रहे हैं। तब ऐसा क्यों है कि यहां अभी तक इस तरह की बातें हो रही हैं। पत्नियां पिट रही हैं। क्यों स्त्रियों के प्रति हिंसा से मुक्ति नहीं पाई जा सकी है। यह कैसा न्याय है कि एक तरफ तो हम जोर-शोर से स्त्रीवाद का हल्ला मचाते हैं तो दूसरी तरफ स्त्रियां पिटाई को सही भी मान रही हैं।

घरेलू हिंसा से स्त्रियां प्रताड़ित हों और उसे सही भी ठहराया जाए, आखिर क्यों। ऐसा भी नहीं है कि औरतों की पिटाई पर मीडिया की अनदेखी रहती होगी या प्रशासन और तंत्र को इस बारे में कुछ पता न होगा। आखिर स्त्रियां जिन कारणों से पति द्वारा पिटाई को सही मान रही हैं, वे कौन से हैं। वे हैं-पति से विश्वासघात, ससुराल वालों का अनादर, बात-बात पर बहस करना, यौन संबंधों से इनकार, बिना बताए घर से बाहर जाना, घर और बच्चों की ठीक से देखभाल न करना, खराब खाना बनाना आदि। अब इन कारणों पर गौर फरमाएं तो सोचिए कि स्त्री विमर्श के इस दौर में जहां हर तरह के कानून, यहां तक कि घरेलू हिंसा के विरुद्ध भी कानून है, वहां ऐसी सोच औरतों की हो तो क्या कहिए। पुराने जमाने में भी औरतें पति से बहस करने, अच्छा खाना न बना पाने या बच्चों की ठीक से देखभाल न करने के कारण पिटती रही हैं। मामूली कारणों से किसी की पिटाई से ज्यादा पाशविक बात क्या हो सकती है। और वह भी पत्नी की पिटाई। इससे भी ज्यादा अफसोसनाक यह कि खुद औरतें इसे सही मान रही हैं। दिलचस्प यह भी है कि जो महिलाएं औरतों के पिटने को ठीक ठहरा रही हैं, हो सकता है कि वे पिटने की उम्र से गुजर चुकी हों। अपने समय में पति द्वारा खूब पिटी हों और कल्पना में अपनी बहू को पिटते देख रही हों क्योंकि देखा गया है कि जो औरतें पति के अत्याचार सहती हैं, वे चाहती हैं कि उनका बेटा भी अपनी पत्नी के साथ वैसा ही करे। ये स्त्रियां यदि पिटाई को ठीक मान रही हैं तो इस तरह ये अपनी बेटियों की पिटाई को भी जायज ठहरा रही हैं। यदि किसी स्त्री का अच्छा खाना न बनाना ही पिटाई का कारण हो तो यह पूछा जा सकता है कि भाई अपने लिए खाना खुद बना लो। यदि किसी होटल या ढाबे का खाना पसंद नहीं आता है तो क्या यह ग्राहक का हक बन जाता है कि वह होटल के मालिक की पिटाई करने लगे। लेकिन यह कहते ही अभिमान पर चोट लग सकती है। खाना बनाना या घर की देखभाल क्या आदमियों का काम है। ऐसे तर्क आमतौर से औरतें ही देती पाई जाती हैं। कई उच्च शिक्षित महिलाओं को भी अपने बेटों को ऐसे कहते देखा गया है कि यह तो मर्द बच्चा है। जनाने काम करने को थोड़े ही पैदा हुआ है।

घर के काम आखिर पत्नी के ही क्यों हों। जब घर दोनों का, बच्चे दोनों के हैं तो काम भी दोनों के ही होने चाहिए। इससे बचने का तर्क बहुत से लोग यह देते हैं कि मैं बाहर काम करता हूं, नौकरी करता हूं, घर चले, इसके लिए पैसे कमाता हूं तो क्या पत्नी घर की देखभाल भी नहीं कर सकती। आखिर वह घर की मालकिन भी तो है। लेकिन उन महिलाओं का क्या जो नौकरी भी करती हैं, घर भी संभालती हैं, और इस तरह से दोहरी जिम्मेदारी निभाती हैं। क्या आज भी नौकरीपेशा स्त्री यह कह सकती है कि चूंकि वह नौकरी करती है, इसलिए घर क्यों देखे, क्यों खाना बनाए, क्यों बच्चों की देखभाल करे। इतना कहने भर से ही शायद पिटाई झेलनी पड़ती होगी या घर टूटने की नौबत आ जाती होगी। सर्वे में यह भी बताया गया कि बहुत से पुरुषों ने पत्नी की पिटाई को सही नहीं माना। इसके लिए पुरुष बधाई के पात्र हैं । लेकिन उन महिलाओं की सोच को कैसे बदला जाएगा जो पत्नी की पिटाई को सही मान रही हैं, और पिटाई के कारणों को भी वैधता प्रदान कर रही हैं। आपको पुराने जमाने की वे फिल्में याद हैं, जिनमें पतिदेव पत्नी को मारते-पीटते थे, ससुराल वाले भूखा रखते थे, पतिदेव गम्भीर बीमारियों के शिकार हो जाते थे तो पत्नी ही उन्हें पीठ पर लादकर उपचार के लिए ले जाती थी। एक दौर में ऐसी फिल्में रिकार्ड तोड़ सफलता हासिल करती थीं। स्त्रियों के लिए कर्तव्य शिक्षा नाम से एक पुस्तक है जो सलाह देती थी कि पति कैसा भी हो, पत्नी का धर्म है कि वह उसकी न केवल बात माने बल्कि उसकी हर तरह से सेवा करे। इस रिपोर्ट को पढ़कर ऐसा भी लगता है कि जैसे पर्दे पर मीनाकुमारी आंसू बहाती गा रही हो कि न जाओ सैंया छुड़ाकर बइंया। और घर की औरतें इसी रोती स्त्री को पीट रही हैं।

सर्दियों के मौसम में किसी सुपरफूड से कम नहीं है

घी और गुड़

सर्दियों में शरीर को ठंड की जकड़न से दूर रखने के लिए पौष्टिक खानपान पर बहुत ध्यान देना पड़ता है। ठंड आते ही हर घर का मेन्यू बदल जाता है। ठंड से शरीर को बचाने के लिए लोग कई तरह के जतन करते हैं। ये ऐसा मौसम होता है जब लोग बहुत हैवी फूड खाना पसंद करते हैं। इस मौसम में लोग गुड़ और घी का बहुत इस्तेमाल करते हैं। जहां एक और राजस्थान और गुजरात में लोग रोटी में गुड़ और घी को चूर कर चूरमा बनाकर खाना पसंद करते हैं। वहीं पंजाब और हरियाणा जैसी जगह में लोग सुबह के समय एक कटोरी घी और गुड़ खाकर ही घर से निकलते हैं। जी हां, सर्दियों के मौसम में घी और गुड़ किसी सुपरफूड से कम नहीं है। आइए जानते है कि सर्दियों में घी और गुड़ का एक साथ सेवन करने से क्या-क्या फायदे हैं..।

मुंह के छाले से राहत

अगर आपके मुंह में छाले हो गए हैं तो आधा कटोरी घी के साथ एक डली गुड़ की खा लें, छाले पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।

कान का दर्द करें ठीक

ठंड में कई लोगों को कान के दर्द की समस्या होने लगती है। ऐसे में कान में सरसों का तेल डालने से व गुड़ और घी मिलाकर खाने से कान का दर्द ठीक हो जाता है।

गले का इंफेक्शन करे ठीक

अगर आपके गले या फेफड़ों में इन्फेक्शन हो गया है तो रोजाना रात में सोने से पहले गुड़ और घी को गर्म करने के बाद इसका सेवन करें, ऐसा करने से आपका इन्फेक्शन ठीक हो जायेगा।

हड्डियों को रखे मजबूत

जोड़ों में दर्द की समस्या होने पर गुड़ का अदरक के साथ प्रयोग करना काफी लाभदायक सिद्ध होता है। प्रतिदिन गुड़ के एक टुकड़े के साथ अदरक खाने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

गुड़ और घी का सेवन करने से सर्दियों में आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है और आप जल्दी बीमार नहीं पड़ते हैं।

सर्दियों में गुड़ के अन्य फायदे

गुड़ को आयुर्वेद में काफी महत्व बताया गया है। गुड़ शरीर में खून की कमी होने से रोकता है। इसके साथ ही यह एक एंटीबॉयोटिक की तरह भी काम करता है। सर्दी के मौसम में गुड़ का सेवन करना सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद रहता है। आइए जानें सर्दी के मौसम में गुड़ खाने के फायदों के बारे में...

- एक एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। ये गले और फेफड़ों को इंफेक्शन से बचाता है और उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- जिन लोगों को नाक में बार-बार एलर्जी होती है, उन्हें सुबह भूखे पेट एक चम्मच गिलोय और दो चम्मच आंवले के रस के साथ गुड़ का सेवन करना चाहिए। ऐसा रोजाना करने से नाक की एलर्जी में फायदा मिलता है।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर ही हम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। इन्हीं समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए गुड़ की चाय पीना लाभदायक साबित होता है। ठंड के दिनों में गुड़, अदरक और तुलसी के पत्तों का काढ़ा बनाकर पीना भी आपको कई बीमारियों से बचाता है।
- गुड़-तिल की बर्फी खाने से सर्दी में जुकाम परेशान नहीं करता है। इसे खाने से शरीर में गर्मी बनी रहती है।

एसिडिटी को रखे दूर

यदि आप गैस और अपच की बीमारी से परेशान हैं तो खाना खाने के बाद थोड़ा गुड़ और घी का सेवन जरूर करें। ऐसा करने से ये दोनों ही समस्याएं नहीं होती हैं।

सर्दी से बचाए

सर्दी के दिनों में या सर्दी होने पर गुड़ का प्रयोग आपके लिए अमृत के समान होगा। इसकी तासीर गर्म होने के कारण यह सर्दी, जुकाम और खासतौर से कफ से आपको राहत देने में मदद करेगा। इसके लिए घी के साथ गुड़ का प्रयोग करके खाया जा सकता है।

हंसना मना है

पत्नी: कहां जा रहे हो। पति: मरने जा रहा हूं। पत्नी: कहीं भी जाओ लेकिन स्वेटर पहनकर जाना। बाहर बहुत ठंड है, बीमार हुए तो तुम्हारी खैर नहीं।

सोनू: यार आज मैं बेहोश हो गया। मोनू: क्या हो गया भाई। सोनू: आज मैं घर पर पुराने कागजात देख रहा था और तभी मेरे हाथ में पत्नी की ग्यारवीं क्लास का रिपोर्ट कार्ड आ गया। मोनू: हां तो बेहोश कैसे हो गया। सोनू: अरे नंबरों के नीचे रीमार्क में लिखा था, मधुरभाषी एवं शांतिप्रिय छात्रा।

पत्नी तुम्हें मेरे साथ बिताए 10 साल का समय कैसा लगा। पति: एक सेकंड के बराबर। पत्नी: मेरे लिए 10 हजार रुपये कितने होते हैं। पति: एक रुपये के सिक्के के बराबर। पत्नी: तो मुझे एक रुपये का सिक्का दो। पति: तुम मेरा एक सेकंड तक वेट करो।

पत्नी : हमारे पड़ोसी ने नया एलईडी टीवी खरीदा है, आप भी खरीदकर लाइए ना। पति: अरे जिसके पास तुम्हारे जैसी खूबसूरत बीवी हो, वह क्यों अपना वक्त टीवी देखने में बर्बाद करेगा। पत्नी: आप भी ना, अभी आपके लिए पकौड़े बनाकर लाती हूं।

कहानी — बूढ़ी महिला की सीख

चाणक्य अपमान भुला नहीं पा रहे थे। शिखा की खुली गांठ हरपल अहसास कराती कि धनानंद के राज्य को शीघ्रातिशीघ्र नष्ट करना है। चंद्रगुप्त के रूप में एक ऐसा होनहार शिष्य उन्हें मिला था जिसको उन्होंने बचपन से ही मनोयोगपूर्वक तैयार किया था। अगर चाणक्य प्रकांड विद्वान थे तो चंद्रगुप्त भी असाधारण और अद्भुत शिष्य था। चाणक्य बदले की आग से इतना भर चुके थे कि उनका विवेक भी कई बार ठीक से काम नहीं करता था। चंद्रगुप्त ने लगभग पांच हजार घोड़ों की छोटी-सी सेना बना ली थी। सेना लेकर उन्होंने एक दिन भोर के समय ही मगध की राजधानी पाटलिपुत्र पर आक्रमण कर दिया। चाणक्य, घनानंद की सेना और किलेबंदी का ठीक आकलन नहीं कर पाए और दोपहर से पहले ही धनानंद की सेना ने चंद्रगुप्त और उसके सहयोगियों को बुरी तरह मारा और खदेड़ दिया। चंद्रगुप्त बड़ी मुश्किल से जान बचाने में सफल हुआ। चाणक्य भी एक घर में आकर छुप गए। वह रसोई के साथ ही कुछ मन अनाज रखने के लिए बने मिट्टी के निर्माण के पीछे छुपकर खड़े थे। पास ही चौके में एक दादी अपने पोते को खाना खिला रही थी। दादी ने उस रोज खिचड़ी बनाई थी। खिचड़ी गरमा-गरम थी। दादी ने खिचड़ी के बीच में छेद करके गरमा-गरम घी भी डाल दिया था और घड़े से पानी भरने गई थी। थोड़ी ही देर के बाद बच्चा जोर से चिल्ला रहा था और कह रहा था, जल गया, जल गया। दादी ने आकर देखा तो पाया कि बच्चे ने गरमा-गरम खिचड़ी के बीच में अंगुलियां डाल दी थीं। दादी बोली, तू चाणक्य की तरह मूर्ख है, अरे गरम खिचड़ी का स्वाद लेना हो तो उसे पहले कोनों से खाया जाता है और तूने मूर्खों की तरह बीच में ही हाथ डाल दिया और अब रो रहा है। चाणक्य बाहर निकल आए, बुढ़िया के पांव छूए और बोला कि आप सही कहती हैं कि मैं मूर्ख ही था तभी राज्य की राजधानी पर आक्रमण कर दिया और आज हम सबको जान के लाले पड़े हुए हैं। चाणक्य ने उसके बाद मगध को चारों तरफ से धीरे-धीरे कमजोर करना शुरू किया और एक दिन चंद्रगुप्त मौर्य को मगध का शासक बनाने में सफल हुआ।

5 अंतर खोजें

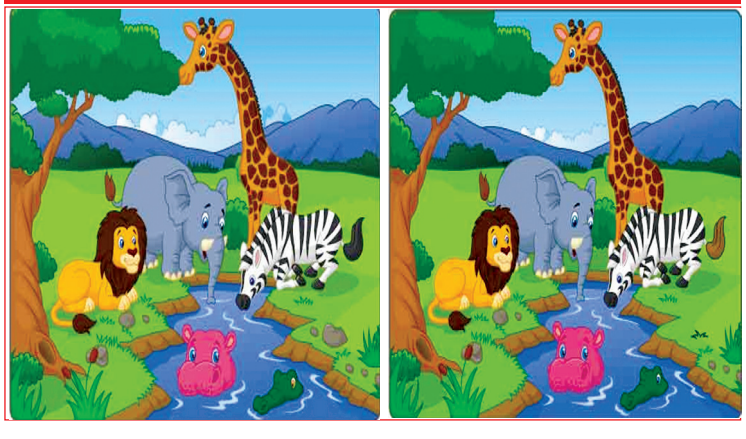

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शिक्षा के क्षेत्र में आपको उन्नति मिल सकती है। किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित हो सकते हैं। इस राशि के साहित्यकार को काबिलियत के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

वृषभ

आपकी बात और काम का असर लोगों पर हो सकता है ?लोग आपके विचारों को सुनेंगे। किसी बैठक-समारोह का बुलावा भी आज आपको मिल सकता है।

मिथुन

भाइयों और बहनों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। यदि आज आप नया वरिष्ठ अधिकारियों से संबंधों में चली आ रही अड़चन दूर होगी, लेकिन काम का बोझ बढ़ेगा।

कर्क

सपना हकीकत में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें।

सिंह

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा हो सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को धन लाभ हो सकता है।

कन्या

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा। लेन-देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे। आपके आसपास चहल-पहल भी रहेगी। आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं।

तुला

आज आपके ऊपर हनुमान जी की कृपा दृष्टि सबसे अधिक रहेगी। व्यवसायी वर्ग के लोग अपने काम के विस्तार से पहले पूर्ण छानबीन कर लें उसके बाद ही कदम आगे बढ़ाएं।

वृश्चिक

भावनात्मक तौर पर बहुत अच्छा दिन नहीं होगा। आपको अपने रोजमर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए।

धनु

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आप अपनी समझदारी से चीजों को आसान बना लेंगे। कला के क्षेत्र में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी सेहत तंदरुस्त रहेगी।

मकर

बिजनेस और नौकरी में कुछ अच्छा होने के इशारे मिल सकते है। किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है। ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं।

कुम्भ

आज आपको किसी विशेष कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। बजरंगबली की कृपा से आपके जीवन में आने वाले सभी प्रकार के दुखों का अंत होगा।

मीन

अपनी ऊर्जा को व्यक्तित्व-विकास के काम में लगाएँ, जिससे आप और भी बेहतर बन सके। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

21 साल बाद भारत को मिला मिस यूनिवर्स का खिताब

भारत के लिए गौरव का पल आ गया है। हरनाज संधू ने साउथ अफ्रीका और पराग्वे को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम कर लिया है। 2017 में हरनाज ने मिस चंडीगढ़ का खिताब जीता था। टॉप तीन प्रतियोगियों से सवाल पूछा गया था कि आप दबाव का सामना कर रहीं महिलाओं को क्या सलाह देंगी? इस पर हरनाज संधू ने जवाब दिया, आपको यह मानना होगा कि आप अद्वितीय हैं और यही आपको खूबसूरत बनाती है। बाहर आएं, अपने लिए बोलना सीखें क्योंकि आप अपने जीवन के नेता हैं। देशभर में खुशी की लहर है। हरनाज ने पहले भारत की दो और सुंदरियों ने देश का मान बढ़ाया है।

बॉलीवुड | मसाला

भारत की पहली मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन

भारत को पहली बार 1994 में मिस यूनिवर्स का ताज दिलाया था हैदराबाद में जन्मीं सुष्मिता सेन ने। उस समय सुष्मिता की उम्र सिर्फ 19 साल थी। इतनी छोटी उम्र में सुष्मिता सेन वो पहली भारतीय महिला बनीं जिन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया।

दूसरी बार लारा दत्ता ने जीता खिताब

लारा दत्ता ने साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था। सुष्मिता सेन के बाद मिस यूनिवर्स बनने वाली लारा दत्ता दूसरी भारतीय महिला बनीं। लारा उस वक्त 22 साल की थीं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कई लोगों ने वास्तव में ह्यूमिलिएट किया : पंकज

क्रिमिनल जस्टिस के माधव मिश्रा कहें या फिर कागज के लाल बिहारी या मिर्जापुर के कालीन भैया। पंकज त्रिपाठी और उनकी तिरछी मुस्कान का हर कोई कायल है। यह इंडस्ट्री के ऐसे उम्दा कलाकार हैं, जो अपने किरदार को जीते ही नहीं, बल्कि उसमें रम भी जाते हैं। जब भी आप इन्हें देखेंगे तब आपको इनका मुस्कुराता हुआ चेहरा ही दिखाई देगा। सीरियस तो शायद ही यह कभी होते होंगे। ह्यूमर तो इनमें इतना कूट-कूटकर भरा हुआ है कि हर कोई दीवाना है। एक इंटरव्यू में इन्होंने बताया था कि इसके पीछे हरिशंकर परसाई का हाथ है। उन्हें ही पढ़कर इन्होंने सटायर करना सीखा है, जिसका इस्तेमाल यह फिल्मों में करते भी हैं। लेकिन पंकज त्रिपाठी से कालीन भैया, माधव मिश्रा तक का सफर मुश्किल नहीं था। इन्होंने एक इंटरव्यू में इस मुकाम तक पहुंचने में आई कठिनाईयों और संघर्ष का जिक्र किया। बताया उन्हें लोग क्या-क्या बोला करते था, जिससे वह इफेक्ट हो जाते थे। रेडियो जॉकी सिद्धार्थ कन्नन ने पंकज त्रिपाठी का इंटरव्यू किया। इस दौरान उन्होंनें ढेर सारी बातें की। इस दौरान पंकज त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें कई लोगों ने वास्तव में ह्यूमिलिएट किया है लेकिन उन लोगों ये बातें याद नहीं। उनका कहना है, जिन लोगों ने ऐसा मेरे साथ किया, अगर वह अब कभी मिलते भी हैं, तो उन्हें ये बातें याद ही नहीं होती कि उन्होंने मुझे भला-बुरा कभी कहा भी था। इसके बाद जब उनसे सिद्धार्थ ने पूछा कि क्या वह ऐसे लोगों की बातों से इफेक्ट होते हैं, क्या वह दुखी होते हैं? तब जवाब में पंकज त्रिपाठी कहते हैं, हां क्यों नहीं। आखिरकार मैं भी एक इंसान हूं। मुझे बुरा क्यों नहीं लगेगा? मुझे भी गुस्सा आता था। लेकिन मैं इन सारी चीजों को भूलने की कोशिश करता हूं। क्योंकि क्या है न मन में बुराई रखने से मेरा ही नुकसान है इसलिए मैं आगे बढ़ता चला गया।

हर हफ्ते दुल्हन बनती है पाकिस्तानी महिला

सजने-संवरने का शौक तो हर लड़की को होता ही है। कुछ लड़कियां लाइट तो कुछ हैवी मेकअप करके सजती-संवरती हैं लेकिन एक बात तो तय है कि दुल्हन बनकर रोजाना कोई तैयार नहीं होता। हालांकि ऐसा अजीबोगरीब शौक पाकिस्तान (की एक महिला को है, जो हर हफ्ते दुल्हन बनकर तैयार होती है। उसके इस शौक के पीछे बेहद दिलचस्प वजह है। ये पाकिस्तानी महिला पूरे सोलह श्रृंगार करके दुल्हन की तरह सजकर तैयार होती है। मज़े की बात तो ये है कि वो आज से ऐसा नहीं कर रही है, बल्कि पिछले 16 साल से वो अपना ये शौक पूरा कर रही है। जिन लोगों ने भी उसे दुल्हन के गेट अप में देखा, वो दंग रह गया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रहने वाली 42 साल की हीरा ज़ीशान हर हफ्ते शुक्रवार के दिन दुल्हन वाला पूरा साज-श्रृंगार करती हैं और सजकर तैयार हो जाती हैं। उनका ये शौक 16 साल पहले ही जागा था, तब से उन्होंने कोई शुक्रवार नहीं छोड़ा, जब वो तैयार होकर नहीं बैठी हों। हीरा अपने दुल्हन के गेट अप में कोई कमी नहीं छोड़ती हैं। वे दुल्हन का सुर्ख लाल जोड़ा पहनती हैं, हाथों और पैरों में मेहंदी लगाती हैं और शादी के गहने भी पहनती हैं। इसके बाद दिन भर वो इसी तरह सजी-धजी रहती हैं। अपने इस शौक पर बात करते हुए वे खुद बता चुकी हैं कि अब से 16-17 साल पहले उनकी मां बहुत ज्यादा बीमार हो गई थीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा था। बीमार मां की इच्छा थी कि वे मरने से पहले अपनी बेटी की शादी करवाना चाहती हैं। ऐसे में हीरा की शादी अस्पताल में ही उस शख्स से हो गई, जिसने उनकी मां को खून दिया था। मां की खुशी के लिए हीरा ने वहीं शादी कर ली और उनकी विदाई रिक्शे में हो गई। उस दिन न तो वे तैयार हो पाई थीं, न ही उन्होंने मेकअप किया था। शादी के कुछ दिन जब मां की मौत हो गई तो वे और दुखी हो गईं। इतना ही नहीं हीरा के 6 बच्चे हुए, जिसमें शुरुआती 2 बच्चों की मौत भी हो गई थी। इसी गम से उबरने के लिए उन्होंने खुद को दुल्हन की तरह सजाना शुरू कर दिया। ये सिलसिला आज भी जारी है।

अजब-गजब | किसी को हिरन मारने पर किसी को चोरी के आरोप में हुई थी सजा

यहां दी गई थीं अजीबोगरीब सजाएं

दुनिया के हर देश में किसी भी अपराध के लिए अपराधियों को अलग-अलग तरह की सजाओं का प्रावधान है। बावजूद इसके कुछ देशों में अपराधियों को ऐसी सजाएं दी जाती है जिनके बारे में सुनकर आपको बहुत अजीब लगेगा। आज हम आपको कुछ देशों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां अनोखी सजाएं दी गई थीं। सबसे पहले बात करते हैं अमेरिका के मिसौरी में रहने वाले डेविड बेरी को मिली सजा के बारे में। दरअसल, डेविस बेरी ने एक बार सैकड़ों हिरणों का शिकार कर दिया। उसके बाद साल 2018 में डेविस को इस जुर्म का दोषी पाते हुए अदालत ने उसे सजा सुनाई।

अदालत ने उसे सजा सुनाते वक्त कहा कि डेविस एक साल तक जेल में रहकर महीने में कम से कम एक बार डिज्नी का बाम्बी कार्टून देखेगा। इसके अलावा अमेरिका में दो युवकों को कोर्ट ने अनोखी सजा सुनाई थी। दरअसल, साल 2003 में अमेरिका के शिकागो में रहने वाले दो लड़कों ने क्रिसमस की शाम चर्च से ईसा मसीह की मूर्ति चुराई थी। उसके बाद उन्होंने मूर्ति को नुकसान भी पहुंचाया था। इस जुर्म का दोषी पाते हुए कोर्ट ने उन्हें 45 दिन के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा उन्हें अपने गृहनगर में एक गधे के साथ मार्च करने का भी आदेश दिया गया था। अमेरिका के ही ओकलाहोमा में रहने वाले 17 साल के टाइलर एलरेड को भी कोर्ट ने अनोखी सजा दी। जो शायद ही कभी किसी को मिली हो। दरअसल, टाइलर एलरेड ने शराब पीकर गाड़ी चलाई जिससे गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। जिसमें टाइलर के एक दोस्त की मौत हो गई थी। यह घटना साल 2011 की है। चूंकि टाइलर उस समय हाई स्कूल में पढ़ते था, इसलिए अदालत ने उन्हें हाई स्कूल और ग्रेजुएशन खत्म करने के अलावा साल भर के लिए ड्रग, शराब और निकोटिन टेस्ट करवाने के साथ ही 10 साल तक चर्च जाने की सजा सुनाई थी। वहीं स्पेन के एंडालूसिया में रहने वाले 25 साल के एक युवक के माता-पिता ने उसे पॉकेट मनी देनी बंद कर दी थी, जिसके बाद वह इस मामले को अदालत में ले आया। हालांकि अदालत ने उल्टे उसी को सजा सुना दी कि अगले 30 दिन के अंदर उसे उसके माता-पिता का घर छोड़ना पड़ेगा और अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2008 में एंड्रयू वेक्टर पर अपनी कार में तेज आवाज में संगीत सुनने पर 120 पाउंड लगाया था।

टक्कर के बाद ट्रैक्टर और बाइक में लगी आग, दो युवक जिंदा जले

» एक अन्य घायल,कानपुर के भौसाना नहर पुल पर हुआ भीषण हादसा

» समारोह में शामिल होने शिवराजपुर आ रहे थे बाइक सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। शिवराजपुर के भौसाना नहर पुल के पास सोमवार की देर शाम बड़ा हादसा हो गया। आमने-सामने ट्रैक्टर व बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई जबकि एक अन्य दोस्त घायल हो गया। दोनों युवक परिवार में आयोजित छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शिवराजपुर से घर लौट रहे थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

चौबेपुर थाना क्षेत्र के भौसाना गांव के मजरा नुनियन पुरवा निवासी बलजीत चौहान का पुत्र 22 वर्षीय श्रवण व गांव के जगदीश का 21 वर्षीय पुत्र

ब्रजेश सोमवार की शाम दोस्त नीरज के साथ बाइक से शिवराजपुर गए थे। जहां से वह तीनों शिवराजपुर-शिवली मार्ग से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। नीरज के घर में छठी कार्यक्रम होने के चलते दोस्तों में पार्टी की तैयारी भी थी।

भौसाना नहर पुल के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर और बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई । हादसे में ब्रजेश और श्रवण गंभीर घायल हुए जबकि नीरज को मामूली चोटें आईं। श्रवण और ब्रजेश बेहोशी की हालत में बाइक में आग लगने से जिंदा जल गए। सड़क पर धू-धू कर ट्रैक्टर व बाइक जलते देख गांव वाले दौड़े। जब तक गांव वाले आग बुझाने का प्रयास करते हैं, दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुला ट्रैक्टर और बाइक में लगी आग पर काबू पाया। इधर हादसे में दोनों युवकों के मरने की सूचना मिलते ही गांव वाले व स्वजन मौके पर एकत्र हो गए। आक्रोशित गांव वालों ने जाम लगा दिया। दरअसल, ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत इतनी जोरदार हुई की बाइक की टंकी फटने से पेट्रोल फैलते ही आग लग गई। हादसे में घायल बेहोशी की हालत में दोनों युवकों भी पेट्रोल से भींगने के कारण धू-धूकर जिंदा जल गए।

पुलिस गिरफ्त में आठ बदमाश, भेजे गए जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दो तमंचे, कारतूस, छह चाकू और मोबाइल बरामद

बरेली। फरीदपुर के एक घर में दस दिन पहले डकैती डालने वाले बदमाशों को स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सर्विलांस टीम की मदद गिरफ्तार कर लिया। आरोपित बाराबंकी और शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। पूछताछ में बदमाशों ने जिले के तीन और थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात स्वीकार की हैं। आरोपितों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का सरगना शाहजहांपुर के गांव ईसापुर निवासी नरवीर उर्फ पप्पू है। ये पदारथपुर जाने वाली नहर की पटरी पर एक अन्य वारदात की फिराक में थे। पुलिस फरीदपुर की घटना के बाद से ही आरोपितों की तलाश में थी। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपितों ने गोली चला दीं। पुलिस ने जवाबी हमला किया और आठ बदमाशों को धर दबोचा। आरोपितों के पास से दो तमंचे, कारतूस, छह चाकू, तीन डंडे, एक लोहे की राड, सरसों की तेल की बोतल व छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पूछताछ में पता चला कि बीती चार दिसंबर की रात यह बदमाश सरकडा के पास गांव के बाहर वाले मकान में घुस गये थे और लूटपाट की थी।

कांग्रेस ने सिद्धू को सौंपी पंजाब चुनाव समिति की बागडोर

» सीएम चन्नी को दूसरे नंबर पर रखा, जिला समितियों का भी गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारियों को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। पार्टी ने पंजाब के लिए प्रदेश चुनाव समिति के गठन पर अपनी मुहर लगा दी। खास बात यह है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को सदस्य के रूप में दूसरे नंबर पर जगह दी गई है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश चुनाव समिति का गठन किया। सभी महत्वपूर्ण पंजाब प्रदेश चुनाव समिति के सदस्यों में मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता चरणजीत सिंह चन्नी, समन्वय समिति की अध्यक्ष अंबिका सोनी, चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और घोषणा-पत्र समिति के अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा शामिल हैं। लोक सभा और राज्य सभा दोनों में, पंजाब के सभी सांसद और पंजाब सरकार के सभी मंत्री भी समिति के सदस्य हैं। समिति अगले साल की शुरुआत में होने वाले पंजाब विधान सभा चुनावों से पहले पार्टी के सभी चुनाव संबंधी फैसले लेगी। इस बीच, पार्टी ने जिला कांग्रेस कमेटियों में 28 अध्यक्ष और 54 कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए। यह पहली बार है जब पार्टी ने जिला कांग्रेस कमेटियों में कार्यकारी अध्यक्षों के साथ एक अध्यक्ष की नियुक्ति की है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर भारत में बढ़ी ठंड

» लखनऊ समेत यूपी में और बढ़ेगी सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी की वजह से उत्तर भारत के मौसम ने भी करवट बदल ली है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ने लगी है। कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया है। वहीं दिल्ली में आने वाले दिनों में भंयकर कोहरा देखने को मिल सकता है।

मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट, केरल, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की बारिश की संभावना है। पश्चिमी हिमालय के ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और हिमपात संभव है। साथ ही ठंड की बात करें तो पूर्वी भारत का न्यूनतम तापमान 1 से 2 डिग्री तक गिर सकता है। कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में अगले पांच दिनों के दौरान हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में 16 और 17 दिसंबर को बर्फबारी और बारिश होगी। अगले तीन दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, नॉर्थ राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान 6 से 10 डिग्री के बीच बना रहेगा। उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हवा चलने की वजह से ठंड अचानक बढ़ गई है। दिल्ली में आज सुबह पारा 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं लखनऊ का न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस तो अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ है। अगले हफ्ते प्रदेश भर में कोहरा रहने का अनुमान हैं।

तो हिंदुत्व के एजेंडे से चुनावी नैया पार लगाएगी भाजपा!

» मंदिर-मंदिर घूम रहे पीएम मोदी समेत शीर्ष नेता

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन कर दिया है। हालांकि अभी इसका काम पूरा नहीं हुआ है। अब सवाल उठने लगे है कि आखिर आधे-अधूरे बने कॉरिडोर के उद्घाटन में जल्दबाजी क्यों की गई। भाजपा की क्या मजबूरी है कि चुनाव से पहले काशी और मथुरा का मुद्दा उछाला जा रहा है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, राजेश बादल, सतीश के सिंह, उमाकांत लखेड़ा, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

रविकांत ने कहा, पूर्वांचल में भाजपा पिछड़ती जा रही है। यदि यहां भाजपा चुनाव हारती है तो इसका असर पीएम मोदी की छवि पर भी पड़ेगा, इसलिए यह सब किया जा रहा है। उमाकांत लखेड़ा ने कहा, भाजपा का मूल एजेंडा ही धर्म की राजनीति करना है। यह हिंदुत्व के नाम पर चुनाव लड़ती है। सतीश के सिंह ने कहा, यह भाजपा का एजेंडा है। वे हमेशा ऐसा करती रही है। बेरोजगारी, महंगाई समेत कई मुद्दे हैं लेकिन विपक्ष इसको ठीक से उठा नहीं पाया। श्रवण गर्ग ने कहा, मतदाताओं के सामने सब साफ है। देश के प्रधानमंत्री को क्या यह शोभा देता है कि वह हिंदुत्व के प्रतिनिधि के रूप में खुद को पेश करे। जनता भाजपा के हिंदुत्व में यकीन में नहीं रखती।

राजेश बादल ने कहा, प्रधानमंत्री महिलाओं के बीच अधिक लोकप्रिय है। महिलाएं ऐसे धार्मिक ड्रामे को अधिक पसंद करती है। मोदी महिलाओं वोटर पर नजर रखे हैं और इसलिए ऐसा कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ जारी, एक आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कल आतंकियों के हमले में तीन जवान हो गए थे शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के डोरी धूक में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। जिसमें एक आतंकी को मार गिराने में सफलता मिली है। मारे गए आतंकी की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है।

इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर तलाशी अभियान चलाया गया। इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर रखी है ताकि आतंकियों को भागने का मौका न मिल सके। इलाके में दो से तीन आतंकियों के होने की आशंका है। गौरतलब है कि श्रीनगर के जेवन में सोमवार को हुए आतंकी हमले में पुलिस के 14 जवान घायल हुए थे, जिनमें से तीन जवान शहीद हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर में जम्हूरियत की मजबूती और अमन बहाली से बौखलाए आतंकियों ने श्रीनगर के जेवन इलाके में पुलवामा हमला दोहराने की साजिश रची थी।

2022 में सपा सरकार जनता के सारे वादे पूरे करेगी, बीजेपी होगी सत्ता से बाहर : अखिलेश

» विजय रथ यात्रा से अखिलेश का ग्राफ चार गुना तेजी से ऊपर चढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी विजय यात्रा के जरिए अपने मतदाताओं को एकजुट कर रहे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर पूर्वांचल की धरती पर हुंकार भर रहे हैं। उनकी दो दिवसीय विजय रथ यात्रा जौनपुर में है। अखिलेश यादव ने यहां धर्मापुर में कहा कि बीजेपी ने जनता के साथ धोखा किया। पिछड़ों व दलितों को उनका हक नहीं दिया।

2022 में सपा सरकार जनता के सारे वादे पूरे करेगी, झूठ के दम पर सत्ता हथियाने वाली बीजेपी को जनता सत्ता से बेदखल कर देगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास उत्तर प्रदेश में अधिकांश क्षेत्र दलों को साथ लेकर चुनाव मैदान में उतरने का है। हमको भरोसा है कि क्षेत्रीय दलों को साथ लाकर हम उत्तर प्रदेश की सत्ता में परिवर्तन करेंगे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इन दिनों समाजवादी विजय यात्रा निकाल रहे हैं। विजय रथ यात्रा से अखिलेश का ग्राफ चार गुना तेजी से ऊपर चढ़ा है। इस यात्रा की शुरुआत 12 अक्टूबर को कानपुर से हुई थी। यह यात्रा कानपुर से हमीरपुर गई थी। इस यात्रा के जरिए अखिलेश कानपुर नगर, कानपुर देहात, जालौन व हमीरपुर जिले को मथा था। एक से तीन दिसंबर को उनकी रथ यात्रा बुंदेलखंड में बांदा से महोबा, ललितपुर व झांसी में निकल चुकी है। अखिलेश का विजय रथ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जरिए गाजीपुर से लखनऊ तक आ चुका है। अब छठे चरण की विजय रथ यात्रा के जरिए 14 व 15 दिसंबर को अखिलेश जौनपुर जा रहे हैं। पूर्वांचल का अपना किला मजबूत करने

में जुटे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार दूसरी पार्टी के बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करा रहे हैं। इसी कड़ी में सपा अध्यक्ष ने गोरखपुर के कद्दावर नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी व भीष्म शंकर तिवारी को अपनी पार्टी में शामिल कराया। विनय इस समय चिल्लूपार सीट से विधायक हैं। उनके साथ विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर भी साइकिल पर सवार हुए हैं।

भाजपा को सपा हरा सकती है: कुशवाहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कभी मायावती के करीबी रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा ने जन अधिकार पार्टी बनाई है। उन्होंने कहा भाजपा को हराने के लिए लोग विकल्प की तलाश कर रहे हैं। भाजपा को कांग्रेस और सपा हरा सकती है। प्रदेश का हर राजनीतिक दल अपने हिसाब से अपनी पार्टी को बढ़ावा देने में लगा है।

सपा की बागडोर अखिलेश यादव के हाथ में है। वहीं कांग्रेस की डोर प्रियंका गांधी ने संभाल रखी है। भाजपा के लिए योगी और मोदी के साथ संघ लगा हुआ है तो छोटी-छोटी पार्टियों के लिए उनके नेता भी दिन रात मेहनत करने पर जुटे हुए हैं। जन अधिकार पार्टी के बाबू सिंह कुशवाहा बसपा से अलग होने के बाद 2017, 2019 का चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ चुके हैं, लेकिन इस बार 2022 का चुनाव वह पूरी दमदारी से लड़ना चाहते हैं।

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन करेगी बसपा

» बसपा के निष्कासित नेताओं को शामिल करने से किसी पार्टी का भला नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज कहा कि बसपा द्वारा निष्कासित किए गए कुछ नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने से उन पार्टियों का भला होने वाला नहीं है। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार अब चुनाव से ऐन पहले ताबड़तोड़ ढंग से योजनाओं का शिलान्यास और अधकच्चे कामों का उद्घाटन कर जनता को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।

मायावती ने कहा पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ बसपा का गठबंधन बहुत बेहतर साबित होगा और वहां इस गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा पंजाब से मेरा गहरा नाता है। कांशीराम की जन्म स्थली पंजाब होने के नाते वहां की जनता हमेशा बसपा के साथ जुड़ी रही। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिन लोगों को बसपा बाहर का रास्ता दिखा रही है उन्हें दूसरे दल शामिल कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि वे यह नहीं जानते कि ऐसे लोगों की छवि आयाराम और गयाराम की होती है। इससे उस पार्टी का कोई भला होने वाला नहीं है। हां इतना अवश्य है कि उनकी जॉइनिंग को इस तरह परोसा जाता है जैसे कितना बड़ा काम हो गया हो। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का बिना नाम लिए मायावती ने कहा कि अधूरी परियोजनाओं के उद्घाटन से भाजपा को वोट आधार बढ़ाने में मदद नहीं मिलेगी।

चित्रकूट में हिंदू एकता महाकुंभ कल आएंगे मोहन भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

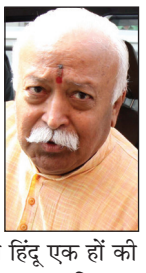

कानपुर। प्रभु श्रीराम की संकल्प व तपोभूमि चित्रकूट में देश के विघटित हिंदुओं को एकजुट करने के लिए हिंदू एकता महाकुंभ का आगाज हो रहा है। 15 दिसंबर को मुख्य आयोजन पर संघ प्रमुख मोहन भागवत बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे और देश भर से संत-महंत और करीब पांच लाख हिंदू जुटेंगे।

पावन धरती पर चाहे पंथ अनेक हों-हम सब हिंदू एक हों की गूंज सुनाई देने लगी है। चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर पद्म विभूषण स्वामी रामभद्राचार्य की अध्यक्ष और उनके उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास के संयोजन में होने वाले महाकुंभ के मंच से चाहे पंथ अनेक हों, हम सब हिंदू एक हों की गूंज सुनाई पड़ेगी। मंगलवार को शुभारंभ विशाल कलश यात्रा, त्रिदिवसीय हनुमत महायज्ञ और रुद्राभिषेक महायज्ञ से होगा। कलश यात्रा में हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा होगी। मुख्य मंच बुधवार को सजेगा। अद्भुत और ऐतिहासिक आयोजन के लिए 20 एकड़ क्षेत्र में महाकुंभ का पंडाल सजकर तैयार हो गया है। जगद्गुरु का कहना है कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव तक की यात्रा में अनेक उपलब्धियां देश ने हासिल की हैं।

भारत-चीन सीमा से सटी सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति

» निगरानी करने के लिए बनाई समिति

» चारधाम परियोजना मामले में मोदी सरकार की बड़ी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार की महात्वाकांक्षी चारधाम परियोजना को सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल वेदर राजमार्ग परियोजना में सड़क की चौड़ाई बढ़ाने और डबल लेन हाईवे बनाने के लिए केंद्र को हरी झंडी दिखा दी है। यह अनुमति मिलने के बाद चारधाम परियोजना के तहत भारत की चीन तक पहुंच और आसान हो जाएगी और किसी भी मौसम में भारतीय सेना चीन से सटी सीमाओं पर पहुंच सकेगी।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हाईवे निर्माण के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने में रक्षा

हर मौसम में मिलेगी कनेक्टिविटी

केंद्र सरकार की चारधाम परियोजना का उद्देश्य यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करना है। 900 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत 12 हजार करोड़ रुपये अनुमानित है। केंद्र सरकार ने अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि भारत-चीन वास्तवित नियंत्रण रेखा की ओर से जाने वाली सीमा सड़कों के लिए यह फीडर सड़कें हैं।

मंत्रालय की कोई दुर्भावना नहीं है। अदालत सशस्त्र बलों की ढांचागत जरूरतों का अनुमान नहीं लगा सकती है। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सड़कों को डबल लेन तक चौड़ा करने की अनुमति के साथ ही परियोजना पर सीधे रिपोर्ट करने के लिए पूर्व न्यायमूर्ति एके सीकरी की अध्यक्षता में एक निरीक्षण समिति का गठन भी किया है। कोर्ट ने रक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय, उत्तराखंड सरकार व सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि वह निगरानी समिति को पूरा सहयोग करेंगे। परियोजना के तहत सड़कों की चौड़ाई 10 मीटर करना चाहती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।